भारत सरकारकार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)\* \* \*

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्‍न संख्या ：713

（दिनांक 16.08.2012 को उत्तर के लिए）

**आई.ए.एस. के रिक्‍त पद**

**713. श्रीमती जया बच्‍चन :**

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विभिन्‍न राज्‍यों और केन्‍द्र में भारतीय प्रशासनिक सेवाओं (आई.ए.एस.) के अनेक रिक्‍त पद पड़े हैं और इसके क्‍या कारण हैं;

(ख) केन्‍द्र में और राज्‍य-वार इन रिक्तियों का पृथक-पृथक ब्‍यौरा क्‍या है; और

(ग) इन रिक्तियों को भरने के लिए क्‍या-क्‍या कदम उठाए जा रहे हैं और तत्‍संबंधी क्‍यौरा क्‍या है ?

**उत्तर**

**कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (श्री वे. नारायणसामी)**

**(क) :** जी हां, दिनांक 01.01.2012 की स्थिति के अनुसार आईएएस की 6154 की कुल प्राधिकृत संख्‍या के स्‍थान पर 4377 अधिकारी तैनात थे । इसलिए आईएएस में 1777 अधिकारियों की कमी थी । कुल प्राधिकृत संख्‍या में अन्‍य बातों के साथ-साथ, केन्‍द्रीय प्रतिनियुक्ति रिजर्व भी शामिल है, जो वरिष्‍ठता डयूटी पदों का 40% है । आईएएस अधिकारियों की अपेक्षित संख्‍या और उपलब्‍ध संख्‍या में, सीधी भर्ती कोटा में तथा साथ ही पदोन्‍नति द्वारा भरे जाने वाले कोटे दोनों में विसंगति है । देश में आईएएस अधिकारियों की अपेक्षित/स्‍वीकृत पद संख्‍या में, विकास की गतिविधियों इत्‍यादि में वृद्धि होने के कारण आवधिक संवर्ग समीक्षा किए जाने के फलस्‍वरूप बढ़ोतरी होती है । इस अंतराल को भरने में अनेक अवरोध हैं । सीधी भर्ती के पदों पर, आईएएस की भर्ती को एक निश्चित सीमा से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता क्‍योंकि इससे सेवा की पिरामिड संरचना बिगड़ जाएगी और बड़े बैच को प्रशिक्षण देने के लिए पर्याप्‍त क्षमता भी नहीं है । पदोन्‍नति कोटा में अंतराल का मुख्‍य कारण है, मुकदमेबाजी के कारण प्रवर सूची को तैयार नहीं किया जाना/राज्‍य सिविल सेवा के सदस्‍यों की वरिष्‍ठता को अंतिम रूप नहीं दिया जाना ।**(ख) :** दिनांक 01.01.2012 को आईएएस अधिकारियों की कुल प्राधिकृत संख्‍या तथा आईएएस अधिकारियों की तैनाती का ब्‍यौरा संलग्‍न है । संवर्गवार कमी में केन्‍द्रीय प्रतिनियुक्ति रिजर्व भी शामिल है ।

**(ग) :** सिविल सेवा परीक्षा द्वारा आईएएस अधिकारियों की भर्ती में कुछ वर्षों से वृद्धि हुई है । पिछले 6 वर्ष के दौरान यूपीएससी को अधिसूचित सीधी भर्ती कोटा के अंतर्गत आईएएस की वर्ष वार रिक्तियों का ब्‍यौरा निम्‍नलिखित है :-

|  |  |
| --- | --- |
| सिविल सेवा परीक्षा | रिक्तियों की संख्‍या |
| 2007 | 110 |
| 2008 | 120 |
| 2009 | 130 |
| 2010 | 150 |
| 2011 | 170 |
| 2012 | 180 |

पदोन्‍नति कोटा के पदों को भरने में तीव्रता लाने के लिए राज्‍यवार पदोन्‍नति की रिक्तियों का, कैलेण्‍डर वर्ष के आरम्‍भ में निर्धारण कर लिया जाता है ।

**\*\*\*\*\*\*\*\*\***